

नए भारत के लिए पहल

अनुराग सिंह ठाकुर

‘दुनिया एक महान व्यायामशाला है जहाँ हम स्वयं को मज़बूत बनाने के लिए आते हैं।’

- स्वामी विवेकानन्द

भा

रत, दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी वाले देशों में से एक है, जिसमें देश की 27.2 प्रतिशत जनसंख्या 15-29 वर्ष के आयु वर्ग की है।¹ भारत की इस युवा-शक्ति में राष्ट्र के उत्थान और सबके जीवन स्तर को ऊपर उठाने की क्षमता है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी में देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति को उत्प्रेरित करने की असीम क्षमता है। 21वीं शताब्दी में राष्ट्र निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका है, क्योंकि भारत इस सदी में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और पूरी दुनिया उसकी ओर देख रही है।

राष्ट्र के युवा विकास के लिए महत्वपूर्ण संपत्ति होंगे और सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक विकास तथा तकनीकी नवाचार के लिए प्रमुख प्रेरणा शक्ति होंगे। सरकार यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है कि युवा वैश्वक नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए पूरी तरह सक्षम हों। वैश्वक आपूर्ति शृंखला, सेवा क्षेत्र और अर्थव्यवस्था में युवा, शिक्षित, कुशल जनशक्ति को काम पर रखने की प्रचुर क्षमता है और भारत इस मांग को पूरा करने के लिए कुशल जनशक्ति का एक बड़ा पूल विकसित कर रहा है। इसके अलावा, हमने एक मज़बूत पारिस्थितिकी तंत्र भी बनाया है जो स्टार्टअप्स का पोषण करता है और हमारे युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करता है।

स्वच्छ भारत अभियान

आज, हमारे देश के युवा स्वच्छ भारत कार्यक्रम के सबसे बड़े दूत और हिमायती हैं। स्वच्छ भारत पहल, एक योजना या सरकारी कार्यक्रम से अधिक, जन आंदोलन है जो आम लोगों की वास्तविक चिंताओं को संबोधित करता है और एक सामाजिक मुद्दे को सीधे संबोधित करने के लिए उनकी पहल है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा ‘जन भागीदारी से जन आंदोलन’ पर ज़ोर दिया है और युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना कोई भी अभियान अधूरा है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में, नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईइकेएस) ने युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के युवा मामलों के विभाग के मार्गदर्शन में 2022 में 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक ‘स्वच्छ भारत 2.0’ कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 1.68 लाख गांवों में आयोजित किया

गया था। इसके तहत कचरा संग्रह और स्वच्छता अभियान संबंधी 2.22 लाख गतिविधियां की गईं। यूथ क्लब के सदस्यों, युवा स्वयंसेवकों और समाज के अन्य वर्गों के सहयोग से 1.55 करोड़ किलोग्राम से अधिक कचरा एकत्र किया गया, जिसमें से 1.54 करोड़ किलोग्राम कचरे का निस्तारण किया गया। यह कार्य देश भर के जिलों में ऐतिहासिक स्थानों, सामुदायिक केन्द्रों, स्कूलों, गांवों और अन्य स्थानों पर किया गया। लोगों, विशेष रूप से युवाओं ने न केवल इस कार्यक्रम में भाग लिया बल्कि पूरी तरह से स्वैच्छिक आधार पर कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दूसरों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

युवा स्वयंसेवक

युवा और खेल मामलों के मंत्रालय ने व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण के दोहरे उद्देश्य के लिए युवा स्वयंसेवकों को शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया है। भारत जब अपनी आज़ादी के 75 साल पूरे होने का समारोह मना रहा है, हमें राष्ट्र के अमृत काल के दौरान, यानी अब से लेकर इंडिया@100 तक, हासिल करने और योगदान करने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प लेना चाहिए और इसके प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करनी चाहिए। युवाओं पर इस देश के वर्तमान और भविष्य के निर्माण की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है। मेरे युवा साथी पहले से ही देश के सतत विकास के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की कई योजनाओं से जुड़े हुए हैं। मैं निजी क्षेत्र के अपने भागीदारों से आग्रह करूँगा कि वे सक्रिय और महत्वपूर्ण योगदान के लिए युवाओं को शामिल करने के लिए नए अवसर पैदाकर और अनूठे



लेखक केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री हैं।

“

भारतीय युवा अग्रणी की तरह उभर रहे हैं और नई प्रौद्योगिकी को तेज़ी से अपना रहे हैं। हमारे युवा प्रौद्योगिकी का लाभ उठा रहे हैं, स्टार्टअप संस्कृति को आगे बढ़ा रहे हैं और सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का व्यवहारिक समाधान उपलब्ध करा रहे हैं।

अनुराग सिंह ठाकुर

केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल और सूचना एवं प्रसारण मंत्री

विचारों के साथ स्वयंसेवा को बढ़ावा दें।

मंत्रालय ने नेहरू युवा केन्द्र संगठन- एनवाईकेएस के 14,000 युवा स्वयंसेवकों के जीवन कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। ये प्रशिक्षित युवा स्वयंसेवक, पांच प्रण (पांच संकल्प) को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, जिनके बारे में माननीय प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में उल्लेख किया था। युवा स्वयंसेवकों ने 3.70 करोड़ घरों तक सफलतापूर्वक पहुँचकर और भारत के लगभग 9.38 करोड़ नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप 13-15 अगस्त 2022 के दौरान 2 करोड़ से अधिक परिवारों ने स्वेच्छा से अपने घरों में तिरंगा फहराया।

फिट इंडिया

केन्द्र सरकार नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लाकर खेल, शिक्षा, कौशल विकास और क्षेत्रीय भाषा शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी विकास में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। भारत चूंकि विश्व का विकास वाहक बनने की राह पर है, मैं युवाओं से देश के विकास वाहक के रूप में अति सक्रिय तथा नवप्रवर्तनशील बनने, नई तकनीक को अपनाने, मज़बूत नेटवर्क बनाने और स्वयं को दक्ष बनाने, अपस्कल यानी अपना कौशल विकास करने तथा रि-स्किल यानी फिर से कुशल बनने का आह्वान करता हूँ। आज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान खेलों के अपने बुनियादी ढाँचे का उन्नयन कर रहे हैं, जिससे युवाओं को 'फिट इंडिया' अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाया जा रहा है, जो 'फिटनेस का डोज़, आधा घंटा रोज़' के प्रेरक नारे की तर्ज पर फिट और स्वस्थ जीवन शैली को अपना सकें।

शारीरिक फिटनेस तथा मज़बूती को बढ़ावा देने और पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 3 जून 2022 को विश्व साइकिल दिवस मनाया, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया था, जिसमें मैंने भी 750 युवा साइकिल चालकों तथा अन्य गणमान्य लोगों के साथ भाग लिया और 7.5 किमी की दूरी तय की। इसके अलावा, नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा देश भर

के 35 राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के 75 प्रतिष्ठित स्थानों में साइकिल रैलियों का आयोजन किया गया, जिनमें 1,23,149 साइकिल चालकों ने 8.06 लाख किलोमीटर की दूरी तय की। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों ने भी साइकिल रैलियों का आयोजन किया जिनमें 3,28,601 स्वयंसेवकों तथा अन्य लोगों ने भाग लिया और पूरे देश में 16,43,005 किलोमीटर की दूरी तय की।

फिट इंडिया फ्रीडम रन के उद्घाटन संस्करण का आयोजन 14 अगस्त से 2 अक्टूबर 2020 (महात्मा गांधी की 151वीं जयंती) तक हमारे 74वें स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए किया गया था। इस वर्चुअल रन में लोग अपनी पसंद की जगह और गति से दौड़ सकते थे, इसमें 7 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया। दूसरा संस्करण 13 अगस्त से 2 अक्टूबर 2021 तक आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था और इसमें 9 करोड़ से अधिक लोगों की सामूहिक भागीदारी देखी गई थी।

खेल, शिक्षा और युवा विकास

खेल बहुत एकीकृत और तुल्यकारक है जो संस्कृति, भाषा, रंग और भौगोलिक सीमाओं सहित विभिन्न विभेदकारी कारकों के बावजूद सामाजिक सामंजस्य का एक प्रमुख वाहक है। सरकार के लगातार प्रयासों और खेल पारिस्थितिकी तंत्र को दिए गए प्रोत्साहन से खेलों के प्रति लोगों की धारणा में जबरदस्त बदलाव आया है। हाल के ओलंपिक, पैरालंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों में देश के प्रभावशाली प्रदर्शन से यह परिलक्षित हुआ है।

जब छोटे बच्चों, युवाओं और माता-पिता सहित समस्त समाज देश के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देखता है, और देश की सफलता के रूप में उनकी सफलता का जश्न मनाता है, माननीय प्रधानमंत्री भी इन खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हैं और उनसे व्यक्तिगत रूप से बातचीत करते हैं तो समाज का मनोबल बढ़ता है और अधिक माता-पिता अपने बच्चों के लिए खेल को करियर के रूप में चुनते हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जब वे सरकार के सभी प्रयासों और देश के खिलाड़ियों की सहायता करने के लिए कॉर्पोरेट क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हैं, तो समाज के लिए यह महसूस करने का सही समय होता है कि खेलों में भी आकर्षक और लाभकारी करियर बन सकता है। कम उम्र में खेल प्रतिभा की पहचान करना फायदेमंद होता है क्योंकि किसी खेल विशेष के लिए उपयुक्त बच्चों को कम उम्र से ही प्रशिक्षित किया जा सकता है। इसके लिए, खेलों इंडिया मोबाइल ऐप का उपयोग करके स्कूल जाने वाले 5-18 वर्ष की आयु के 23 लाख से अधिक बच्चों का आकलन किया गया है। बच्चों के खेल कौशल का आकलन करने के लिए 82,000 से अधिक शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

खेलों इंडिया योजना के प्रमुख संभों में से एक गुणवत्तापूर्ण खेल अवसंरचना को नागरिकों तक समान रूप से पहुँचाना है। इसे सुनिश्चित करने के लिए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने देश भर में खेल बुनियादी ढाँचे की लगभग 2,500 करोड़ रुपये की 294 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। हमारा मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण मिशन मोड में खेलों इंडिया योजना के तहत विभिन्न पहल के माध्यम से खेल पारिस्थितिकी तंत्र में खिलाड़ियों और अन्य हितधारकों की सहायता कर रहे हैं। इसमें जिला स्तरीय खेलों इंडिया

केन्द्रों तथा खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना, वार्षिक खेलो इंडिया खेल (युवा खेल, विश्वविद्यालय खेल, शीतकालीन खेल आदि), सामुदायिक कोचिंग विकास कार्यक्रम (ई-खेलपाठशाला) का आयोजन, विभिन्न खेल विषयों में महिला खेल लीग के माध्यम से खेलों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना और बड़े पैमाने पर खेल और फिट इंडिया कार्यक्रम के माध्यम से फिटनेस प्रचार कार्यक्रम शामिल हैं।

उपरोक्त के अलावा, इस योजना में प्रारंभिक चरण की प्रतिभा पहचान और विकास का एक मजबूत तंत्र है, जिसके माध्यम से विभिन्न खेल विषयों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जाती है और उन्हें आउट ऑफ पॉकेट भत्ता तथा खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों के माध्यम से प्रशिक्षण सहायता प्रदान की जाती है। वर्तमान में प्रतिभाओं की खोज और विकास के तहत चयनित 21 खेल विधाओं (पैरा स्पोर्ट्स सहित) में 2,745 खेल प्रतिभाओं की पहचान की गई है। उन्हें प्रति वर्ष 6.28 लाख की वित्तीय सहायता दी जाती है जिसमें प्रशिक्षण और यात्रा, खेल विज्ञान सहायता, आहार शुल्क, चिकित्सा व्यय और आउट ऑफ पॉकेट भत्ता शामिल है। इन नवोदित खिलाड़ियों को हमारे भावी ओलंपिक पदक विजेता बनने के लिए तैयार किया जा रहा है। देश भर में खेलो इंडिया के तहत पहचाने गए खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए कुल 264 खेल अकादमियों (190 गैर-साई और 74 एनसीओई और साई) को मान्यता दी गई है। चिह्नित खिलाड़ियों के लिए इन अकादमियों में अत्यधुनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए गए हैं।

देश के उत्प्रवाद और आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक रूप से दिशा देने के लिए, देश भर के ऐसे भूभागों में युवाओं को शामिल करने के लिए खेल प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। देश के खेल विकास कार्यक्रम में समावेशन सुनिश्चित करने के लिए, देश की सदियों पुरानी संस्कृति और विरासत को फिर से सक्रिय करने के लिए ग्रामीण और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के अलावा खेलो इंडिया योजना के माध्यम से दिव्यांग व्यक्तियों को सहायता दी जाती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत के युवाओं के समग्र विकास की परिकल्पना की गई है। इसे प्राप्त करने के लिए, प्रभावी रूप से आत्मनिर्भर भारत बनाने के वास्ते कौशल विकास पर विशेष जोर दिया गया है। यहां तक कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों को कारपेन्टरी, प्लम्बिंग, बिजली के सामान की मरम्मत, बागवानी, मिट्टी के बर्तन, कढ़ाई जैसे कौशलों में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। हम अपने युवाओं को समग्र शिक्षा प्रदान करने और विकास के लिए महत्वपूर्ण अन्य पहलुओं- टीम भावना और मानसिक तथा शारीरिक आरोग्यता को प्रभावी ढंग से बढ़ाने के लिए के भी खेल की शक्ति का लाभ उठा रहे हैं।

खेल-एकीकृत शिक्षा का मुख्य उद्देश्य फिटनेस को विद्यार्थियों की जीवन शैली से एकीकृत करने, उनकी शारीरिक और मनोवैज्ञानिक आरोग्यता को बढ़ावा देने और फिट इंडिया अभियान में परिकल्पित फिटनेस के स्तर के साथ संबंधित जीवन कौशल हासिल करने में सक्षम बनाना है।

फिट इंडिया विवर्ज, स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए खेल और फिटनेस पर 3.25 करोड़ की पुरस्कार राशि वाली भारत की सबसे

बड़ी विवर्ज, 1 सितंबर 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में शुरू की गई थी। इसमें 13,502 स्कूलों के 36,299 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भारत की खेल सफलता को कई गुना बढ़ाने के विभिन्न तरीकों के बीच, राज्यों को 'एक राज्य एक खेल' के दृष्टिकोण की ओर प्रोत्साहित किया जा सकता है, जहां उन्हें उपलब्ध प्रतिभा पूल, स्वाभाविक रुचि, उपलब्ध बुनियादी ढांचा आदि के आधार पर किसी एक खेल को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे केंद्रित दृष्टिकोण विकसित किया जा सकेगा और राज्य में मौजूदा संसाधनों का इष्टप्राप्त उपयोग किया जा सकेगा।

राष्ट्र की खेल उत्कृष्टता के लिए एक अन्य प्रमुख बाहक सक्रिय खेल संस्कृति को स्थापित करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, स्थानीय, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का आयोजन करना महत्वपूर्ण है। भागीदारी बढ़ाने के लिए और युवा खिलाड़ियों को अपने कौशल को सुधारने और अंततः खेल संस्कृति तथा पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए आवश्यक मंच प्रदान करने के लिए राष्ट्र को विभिन्न स्तरों पर अधिक लीग और प्रतियोगिताओं के आयोजन की आवश्यकता है। हमारी विश्वविद्यालय प्रणाली में बदलाव के बाद ओलंपिक उत्कृष्टता के लिए एक बड़ा प्रतिभा पूल बनाने और लम्बी अवधि में खेल में रुचि और भागीदारी के बीच की खाई को पाटने की जबरदस्त क्षमता है।

सरकार भारत की युवा खेल प्रतिभाओं को पोषित करने, उन्हें सक्षम बनाने और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उन्हें विजेता बनाने पर केंद्रित है। हम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों के लिए सभी सुविधाएं और सर्वोत्तम प्रशिक्षण सेवाएं सुनिश्चित करेंगे। पूर्व खिलाड़ियों को उभरते खिलाड़ियों का सहयोग करने और उन्हें प्रेरित करने के लिए कोचिंग के क्षेत्र में आने की जरूरत है।

निष्कर्ष

भारत के युवा, 'भारत का भविष्य' होने के साथ-साथ अधिक महत्वपूर्ण रूप से 'भारत का वर्तमान' हैं। वे एआई - 'आत्मनिर्भर नवाचार' के इस युग में विचारों और नवाचार के बाहक हैं। एक युवा दिमाग, शरीर और आत्मा स्वस्थ और फिट भारत का प्रमुख बाहक है। राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। अधिक से अधिक युवाओं को आगे आकर ग्रामीण क्षेत्रों में काम करना चाहिए, ताकि उन्हें वास्तविक भारत और उसकी समस्याओं का आभास हो। युवा समाज के सबसे प्रगतिशील वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं और नए भारत की परिकल्पना को साकार करने में परिवर्तनकारी भूमिका निभाते हैं। युवाओं को अपने कर्तव्यों के प्रति संचेत रहना चाहिए और भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज़ादी का अमृत महोत्सव में श्रद्धांजलि के रूप में राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए।

भारत के इस वर्ष जी-20 राष्ट्रों की प्रतिष्ठित अध्यक्षता संभालने के साथ, यह हमारे युवाओं के लिए अपने कौशल, प्रतिभा, कला का प्रदर्शन करने और राष्ट्र की अधिक मजबूत बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और दृढ़ विश्वास प्रदर्शित करने का एक अवसर है। ■

संदर्भ

- यूथ इंडिया 2022 रिपोर्ट, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।

26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का कर्नाटक के हुबली में आयोजन



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जनवरी, 2023 को कर्नाटक के हुबली में 26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित किया गया जो स्वामी विवेकानंद की जयंती दिवस पर उनके आदर्शों, शिक्षाओं व योगदानों को सम्मान देने और संजो कर रखने के लिए मनाया जाता है। इस महोत्सव का विषय 'विकसित युवा- विकसित भारत' था। यह देश के सभी भागों से विविध संस्कृतियों को एक मंच पर लाता है और प्रतिभागियों को एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना से जोड़ता है। हर वर्ष राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन हमारे प्रतिभावान युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का अवसर प्रदान करने और राष्ट्र निर्माण की ओर उन्हें प्रेरित करने के लिए किया जाता है।

इस पांच- दिवसीय महोत्सव में युवा शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें जी-20 और वाई-20 आयोजनों से जुड़े पांच विषयों पर चर्चाएं की गयी मसलन - काम, उद्योग, नवाचार और 21वीं सदी के कौशल का भविष्य; जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम में कमी; शांति निर्माण और सुलह; साझा भविष्य - लोकतंत्र और शासन में युवा; और स्वास्थ्य व कल्याण।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने वर्ष 2023 में राष्ट्रीय युवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक तरफ जहां उमंगों से सराबोर राष्ट्रीय युवा महोत्सव है तो दूसरी ओर आजादी का अमृत महोत्सव है। प्रधानमंत्री ने स्वामी विवेकानंद जी के संदेश- "उठो, जागो और लक्ष्य तक मत रुको" को उद्धृत करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का यह उद्घोष भारत

के युवाओं का जीवन मंत्र है। उन्होंने कहा कि अमृत काल में देश को आगे ले जाने के लिए हमें अपने कर्तव्यों को महत्व देना और समझना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस प्रयास में भारत के युवाओं को स्वामी विवेकानंद जी से मिली प्रेरणा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "मैं इस विशेष अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी के चरणों में अपना सिर झुकाता हूँ।"

केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा, "राष्ट्रीय युवा महोत्सव हमारे राष्ट्र की संस्कृति और इससे जुड़ी जिज्ञासाओं, इसके समुदायों और इसके भौगोलिक क्षेत्रों से जुड़ी जिज्ञासाओं को सामने लाता है।" स्वामी विवेकानंद के खेलों और फिजिकल फिटनेस के महत्व पर दिए गए बल पर अपने विचार रखते हुए केन्द्रीय खेल मंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी हमेशा मानते थे कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ दिमाग का वास होता है।

इस महोत्सव में कई प्रतिस्पर्धी और गैर-प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों में स्थानीय पारंपरिक संस्कृतियों को प्रोत्साहन देने के लिए लोक नृत्यों और गीतों का आयोजन शामिल था। योगाथन जिसका उद्देश्य योग करने के लिए करीब 10 लाख लोगों को जुटाना है प्रमुख गैर-प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों में से एक रहा। अन्य आकर्षणों में फूड फेस्टिवल, युवा कलाकार शिविर, साहसिक खेल गतिविधियां और "अपनी सेना, नौसेना और बायु सेना को जानो" के विशेष शिविर शामिल थे।

स्रोत: पत्र सूचना कार्यालय